भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3167

दिनांक 07.08.2025 को उत्तर के लिए नियत

एमएसएमई के लिए गुणवत्ता मानक

3167. श्री अरूण नेहरू:

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार देश को तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनाने में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करती है; और

(ख) यदि हां, तो वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने हेतु एमएसएमई को स्वैच्छिक और अनिवार्य गुणवत्ता मानकों का अनुपालन करने हेतु प्रोत्साहित करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रमाणन और गुणवत्ता मानक अपनाने में एमएसएमई की सहायता के लिए कोई योजनाएं मौजूद हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) 'शून्य दोष शून्य प्रभाव' (जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट) विनिर्माण को बढ़ावा देने की सरकार की रणनीति में एमएसएमई की भूमिका क्या है; और

(ङ) गुणवत्ता मानकों के निर्माण और अनुपालन चुनौतियों के समाधान में एमएसएमई की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा करांदलाजे)

(क) से (घ): सामना की जा रही चुनौतियों हेतु कार्यक्रम और नीतिगत समाधान प्रदान करने के अपने निरंतर प्रयासों के माध्यम से देश को तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनाने में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका को सरकार ने मान्यता दी है। एमएसएमई को गुणवत्ता मानकों के अनुपालन हेतु प्रोत्साहित करने के लिए उठाए गए कदमों में बीआईएस द्वारा आईएसआई चिह्न, बीआईएस अधिनियम-2016 के अंतर्गत जारी क्यूसीओ, जेड प्रमाणन और लीन मैनेजमेंट पद्धतियाँ शामिल हैं। जेड प्रमाणन का उद्देश्य एमएसएमई के बीच जीरो डिफ़ेक्ट जीरो इफेक्ट (जेड) पद्धतियों को बढ़ावा देना है, ताकि एमएसएमई को नवीनतम प्रौद्योगिकी, उपकरणों का उपयोग करके गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के विनिर्माण के लिए प्रोत्साहित और सक्षम किया जा सके तथा पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव के साथ उच्च गुणवत्ता और उच्च उत्पादकता प्राप्त करने के लिए उनकी प्रक्रियाओं को लगातार उन्नत किया जा सके।

एमएसएमई की भूमिका महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उत्पादन में जीरो डिफ़ेक्ट और पर्यावरण पर जीरो इफेक्ट की दिशा में समग्र आर्थिक योगदान के लिए एक निश्चायक प्रभाव प्रदान करने में सहायता प्रदान करता है।

(ङ): सरकार गुणवत्ता पर नीतिगत कार्रवाई विकसित करने और अनुपालन चुनौतियों का समाधान करने के लिए एमएसएमई उद्योग संघों, क्लस्टर समूहों और क्षेत्रीय संगठनों सहित सभी हितधारकों के साथ जुड़ने का निरंतर भरसक प्रयास करती है।

****